यूआईटी सचिव ललित गोयल की कार के पहिए की हवा निकालने की कोशिश

भीलवाड़ा। मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर पटेल नगर के सेक्टर 11 की कॉलोनीवासियों ने यूआईटी परिसर में पहुंचकर जबरदस्त प्रदर्शन किया। पहले उन्होंने घेराव किया फिर जब अधिकारियों ने नहीं सुनी तो

■ मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर पटेल नगर भीलवाड़ा सेक्टर 11 के कॉलोनीवासियों ने यूआईटी परिसर में पहुंचकर जबरदस्त प्रदर्शन किया

भीलवाड़ा में मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर पटेल नगर के सेक्टर 11 की कॉलोनीवासियों ने यूआईटी परिसर में प्रदर्शन किया।

यूआईटी सचिव ललित गोयल की कार के पहिए की हवा निकालने की कोशिश की गई। लेकिन बाद में सुरक्षाकर्मियों ने उनके साथ सख्ती की तब जाकर वे रुके। बाद में यूआईटी परिसर में अपनी मांगों को लेकर बैठ गए। कॉलोनीवासियों का कहना है कि वर्ष 2010 में भूखंड आवंटन हुआ था। इसके बाद से किसी तरह की सुविधा नहीं दी जा रही है। यहां की टूटी सड़कों पर खुद की जेब से सीमेंट लगाया है। यहां लाइट की व्यवस्था नहीं हैं। ऐसे में करें तो क्या करें। कई पत्र लिख दिए, जनसुनवाई में शिकायत की लेकिन अभी तक आधारभूत सुविधाओं का विकास नहीं किया। अब हमारे धैर्य का बांध टूटने लगा है। इस कारण सोमवार को यूआईटी परिसर पहुंचकर घेराव किया और अपने हक की मांगों के लिए आवाज बुलंद की।

हादसे में चालक की मौत

उदयपुर। हादसों के लिए कुख्यात गोगुंदा हाईवे पर एक बार फिर भीषण सडक हादसा हो गया। सोमवार को गोगुंदादृपिंडवाडा हाईवे पर उखलियात सुरंग के समीप तेज रफ्तार मार्बल पत्थर से भरे कंटेनर का चलते समय टायर फट गया, जिससे अनियंत्रित कंटेनर चट्टान से टकरा गया।

हादसे में कंटेनर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना पर पुलिसए हाईवे टीम के भगवत सिंह झाला तथा 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से घायल चालक को एंबुलेंस से गोगुंदा अस्पताल ले जाया गया,जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गोगुंदा थाना पुलिस के अनुसार मृतक की जेब से मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान दिनेश भाई पिता राजा भाई कंजारिया, निवासी जमगढका,जिला जामनगर (गुजरात) के रूप में हुई। पुलिस ने बेकरिया थानाधिकारी उत्तम सिंह मेडतिया को सूचना देते हुए मृतक के परिजनों को भी हादसे की जानकारी दी ।

थानाधिकारी उत्तम सिंह मेडतिया ने बताया कि गुजरात नंबर का कंटेनर गोगुंदा की ओर से मार्बल पत्थर लेकर कांडला बंदरगाह जा रहा था। इसी दौरान आगे का टायर फट गया। कंटेनर के अनियंत्रित होने पर चालक ने बचने के लिए कूदने का प्रयास किया, लेकिन सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

देश में हुमायूं की औलादें जिंदा नहीं : डॉ. तोगड़िया

■ महाराणा प्रताप व छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज आज भी सक्रिय राजनीति में है

भीलवाड़ा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के संस्थापक अध्यक्ष और राष्ट्रीय हिंदू परिषद के मौजूदा अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने मुगलों के वंशजों की मौजूदगी को लेकर एक बडा बयान दिया है। सोमवार सुबह शास्त्रीनगर में एक पत्रकार वार्ता के दौरान तोगड़िया ने दावा किया कि देश में मुगल बादशाह हुमायूं की कोई भी संतान अब जीवित नहीं है, जबकि महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज आज भी सक्रिय राजनीति में हैं और सांसद-विधायक के पदों पर आसीन हैं।

बाबरी मस्जिद और चुनावी सुरक्षा पर भी बोले : तोगड़िया पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा बाबरी मस्जिद के नाम पर एक नई मस्जिद की नींव रखने से जुडे सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि "बाबर या औरंगजेब का नाम लेकर कोई भी आगे नहीं बढ़ सकता।"मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम पर अपनी राय रखते हुए, उन्होंने इसे देश की सुरक्षा के लिए आवश्यक बताया। तोगड़िया ने जोर दिया कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कोई भी बांग्लादेशी या अन्य विदेशी नागरिक भारतीय मतदाता सूची में शामिल न हो

काशी-मथुरा में मंदिर निर्माण का संकल्प : हिंदुओं की आस्था के प्रमुख केंद्रों पर बात करते हुए, तोगड़िया ने काशी विश्वनाथ मंदिर और श्री कृष्ण जन्मभूमि मथुरा का जिक्र किया। उन्होंने दोहराया कि परिषद का लक्ष्य है कि "सभी मंदिर बनेंगे।" उन्होंने हिंदू समुदाय को संगठित करने के लिए चलाए जा रहे देशव्यापी अभियान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से गांव-गांव और शहर-शहर में सामूहिक "हनुमान चालीसा" का पाठ आयोजित किया जा रहा है। हिंदू वेलनेस सेंटर और हेल्पलाइन : संगठन के सेवा कार्यों पर प्रकाश डालते हुए डॉ. तोगड़िया ने बताया कि परिषद की ओर से हिंदू वेलनेस सेंटर और एक हिंदू हेल्प लाइन शुरू की गई है, जिससे देश में किसी भी जरूरतमंद हिंदू को सहायता पहुंचाई जा सके। पत्रकार वार्ता के दौरान चंद्रसिंह जैन और राजेंद्र गोखरु सहित अन्य स्थानीय पदाधिकारी मौजूद रहे। इससे पहले, राजेंद्र गोखरु और प्रदीप सांखला ने डॉ. तोगड़िया का भीलवाड़ा पहुंचने पर स्वागत किया।

हावड़ा-जोधपुर इकतरफा स्पेशल ट्रेन का संचालन आज

जोधपुर, (कासं)। हावड़ा-जोधपुर के बीच हवाई उड़ानें रद्द रहने और नियमित ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए उत्तर पश्चिम रेलवे ने यात्रियों को राहत देते हुए उनकी सुविधार्थ विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन एक ट्रिप के लिए मंगलवार को हावड़ा से रवाना होगी। जोधपुर मंडल डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि ट्रेन संख्या 04808 हावड़ा-जोधपुर स्पेशल ट्रेन मंगलवार को हावड़ा से रात्रि 11 बजे प्रस्थान कर गुरुवार सुबह 11.50 बजे जोधपुर पहुंचेगी। ट्रेन प्रयागराज-टूंडला-जयपुर मार्ग से संचालित होगी। विशेष ट्रेन में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कुल 21 कोच लगाए गए हैं जिसमें 1 फस्र्ट मय एसी, 2 सेकंड एसी, 7 थर्ड एसी, 6 स्लीपर, 3 जनरल, 2 गार्ड (एसएलआर) को शामिल हैं। सीनियर डीसीएम हितेश यादव ने बताया कि विशेष ट्रेन मार्ग के 27 स्टेशनों पर ठहराव करेगी। ये स्टेशन वर्धमान, दुर्गापुर, आसनसोल, धनबाद, कोडरमा, गया, सासाराम, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज, गोविंदपुरी, इटावा, टूंडला, ईदगाह, अछनेरा, भरतपुर, बांदीकुई, गांधी नगर जयपुर, जयपुर, फुलेरा, गोटन और पीपाड़ रोड है।

अजमेर में दो बसों की टक्कर में 15 से अधिक यात्री घायल

अजमेर । शास्त्री नगर चुंगी नाका के पास सोमवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे उस समय चीख-पुकार मच गई जब तेज रफ्तार आ रही प्राइवेट बस ने आगे चल रही दूसरी प्राइवेट बस को जोरदार टक्कर मारी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों बसें क्षतिग्रस्त हो गईं, जिसके कुछ देर के लिए सड़क पर यातायात बंद हो गया। हादसे में करीब 15 से अधिक यात्री घायल हो गए, जिन्हें एंबुलेंस के माध्यम से स्थानीय लोगों और पुलिस द्वारा जेएलएन अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने क्रेन की मदद से बसों को मार्ग से हटाकर यातायात खुलावाया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि नरवर से अजमेर आ रही एक निजी बस ने ओवरटेक करने के चक्कर में आगे चल रही दूसरी बस को पीछे से टक्कर मार दी। बस में महिलाएं, छोटे बच्चे सहित करीब 60 यात्री सवार थे। हादसे के बाद दोनों बसों में चीख-पुकार मच गई। सीट से उछलकर कई यात्री एक-दूसरे पर गिर गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार 15 से 18 यात्री मामूली व मध्यम चोटें आई हैं। किसी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने घायलों को बसों से बाहर निकाला। 108 एम्बुलेंस की मदद से उन्हें जवाहरलाल नेहरू अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना पाकर क्रिश्चयनगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों बसों को कब्जे में लेकर क्रेन की मदद से सडक़ किनारे हटवाया। पुलिस ने बताया कि चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। दोनों चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस व परमिट की जांच की जा रही है । बस यात्री नरवर निवासी इशुब ने बताया कि पीछे से आ रही बस को चालक तेज गति से चला रहा था, दूसरी बस को ओवरटेक करते यह टक्कर मार दी, दोनों बसों में भिड़ंत के बाद यात्री एक-दूसरे पर गिर गए और बच्चे जोर-जोर से रोने लगे। स्थानीय निवासी चंद्रशेखर शर्मा ने कहा कि शहर के अंदर प्राइवेट बसें 60-70 की स्पीड से दौड़ती हैं।

चुंगी नाका पर हमेशा भीड़ भाड़ रहती है, फिर भी ये बस वाले रेस लगाते हैं। प्रशासन को इन पर लगाम लगानी चाहिए। यातायात पुलिस उपनिरीक्षक रामस्वरूप मीणा ने बताया कि शास्त्री नगर क्षेत्र में प्राइवेट बसों की तेज रफ्तार की शिकायतें मिल रही हैं। जल्द ही चेकिंग अभियान चलाया जाएगा।

काफी बहस के बाद विक्रम भट्ट को पकड़ा

■ भट्ट दम्पत्ति सहित अब तक 4 हो चुके गिरफ्तार

उदयपुर, 8दिसम्बर । बॉलीवुड फिल्म डायरेक्टर विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी को 30 करोड की धोखाधडी मामले में उदयपुर पुलिस ने मुंबई से गिरफ्तार किया। पुलिस दोनों को सडक मार्ग से उदयपुर लेकर आएगी। मंगलवार को कोर्ट में पेशी होगी।

उदयपुर डीएसपी छगन राजपुरोहित के अनुसार विक्रम भट्ट की गिरफ्तारी के लिए उदयपुर पुलिस चार दिन से मुंबई में डेरा डाले हुए थी। पुलिस लगातार विक्रम के संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। वह कब घर से बाहर आ रहा है और अंदर जा रहा है। हर गतिविधि पर सीक्रेट तरीके से नजर रखी जा रही थी।उन्होंने बताया कि जब विक्रम भट्ट के फ्लैट के बाहर पहुंचे तो उसके पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर (पीएसओ) ने रोकने की कोशिश की। इस दौरान पीएसओ और पुलिस में बहस हो गई। घर के अंदर बैठे विक्रम और उसकी पत्नी यह सब देख रहे थे। मौका मिलते ही फ्लैट से दोनों को गिरफ्तार कर लिया। डीएसपी ने बताया. हम 6 सदस्यों की टीम के साथ 3 दिसंबर को मुंबई पहुंचे थे। मुंबई पुलिस का मिनिमम सपोर्ट लिया गया ताकि मिशन सीक्रेट रहे। विक्रम भट्ट का पूरा नाम और पेशा बताने की बजाय पुलिस ने सिर्फ ये ही बताया कि विक्रम नाम का वांटेड आरोपी है। उस पर 420 का मुकदमा है। उदयपुर पुलिस उसे पकडने के लिए यहां आई हुई है।ऐसे में मुंबई पुलिस के दो कॉन्स्टेबल हमारे साथ रहे। हमारी टीम विक्रम भट्ट के हर ठिकाने पर नजर बनाए हुए थी। रविवार (7 दिसंबर)को विक्रम भट्ट और उसकी पत्नी के मुंबई में जुहू स्थित गंगाभवन कॉम्प्लेक्स में होने की जानकारी थी। इस कॉम्प्लेक्स में कई फिल्मी कलाकार रहते हैं।

डीएसपी ने बताया पुलिस टीम गंगाभवन कॉम्प्लेक्स पहुंची तो विक्रम भट्ट के 3 से 4 पीएसओ ने बाहर ही रोकने की कोशिश की। पीएसओ ने पूछा. आप कौन और कहां से हो, तब उन्हें सिर्फ इतना ही कहा कि वे डीएसपी हैं, कहां से हैं, ये नहीं बताया। उन्हें बताया कि विक्रम भट्ट से पूछताछ करनी है।पीएसओ ने मना करते हुए कहा कि साहब और उनकी पत्नी इस वक्त घर पर नहीं हैं। बाहर गए हैं।

काफी देर तक उनके निजी सुरक्षा गार्डों से बहस हुई। इसके बाद पुलिस को सख्ती से पेश आना पडा।पुलिस और उसके पीएसओ के बीच हो रही बहस का विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी घर के अंदर सीसीटीवी कैमरे में देख रहे थे। पुलिस टीम ने सभी पीएसओ को दूर किया। डुप्लेक्स फ्लैट के बाहर काफी जद्दोजहद की, लेकिन उन्होंने दरवाजा नहीं खोला। पुलिस बार.बार दरवाजा पीटती रही। करीब आधे घंटे बाद पुलिस सख्ती से पेश आई तो दरवाजा खोला। विक्रम भट्ट और श्वेतांबरी ने गिरफ्तारी का विरोध किया। दोनों ने पुलिसकर्मियों से काफी बहस की। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार किया गया। उस वक्त फ्लैट में उनके दोनों बच्चे नौकर और 4 से 5 पीएसओ थे।

डीएसपी छगन राजपुरोहित ने बताया कि विक्रम भट्ट,पत्नी श्वेतांबरी भट्ट समेत फरार 6 आरोपियों को उदयपुर पुलिस ने नोटिस भेजा था। विक्रम और श्वेतांबरी को रविवार को मुंबई से गिरफ्तार किया। डीएसपी ने बताया कि इस मामले में पुलिस तीसरी बार मुंबई गई थी। इससे पहले 18 नवंबर को विक्रम भट्ट के को.प्रोड्यूसर महबूब अंसारी और वेंडर संदीप विश्वनाथ त्रिभुवन को भी मुंबई से ही गिरफ्तार कर लेकर आए थे। दोनों जेल में हैं। वहीं, एक बार मामले की जांच को लेकर मुंबई गए थे। विक्रम भट्ट और श्वेतांबरी समेत मामले में कुल 4 गिरफ्तारी हो चुकी हैं।

संडे बाजार के व्यापारियों का विरोध

भीलवाड़ा। इंद्रा मार्केट में संडे बाजार लगाने वाले लोगों के खिलाफ स्थाई व्यापारियों ने सोमवार को जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान पहले बाजार को सुबह 10 से 12 बजे तक बंद कर रख विरोध जताया। फिर नगर निगम परिसर में पहुंचकर संडे बाजार की वजह से हो रही अव्यवस्थाओं को लेकर नारेबाजी की। बाद में महापौर राकेश पाठक नहीं मिले तो उनके निवास स्थान पर जाकर ज्ञापन सौंपा और अव्यवस्था को सही कराने की मांग की। एसोसिएशन के अनुसार संडे को बाजार लगाने वालों के कारण जाम की स्थिति पैदा होती है। स्थाई दुकानदारों को दुकानों में जाने का रास्ता नहीं मिलता है। अगर इसके लिए तकाजा किया जाता है तो संडे बाजार वाले धमकी देते है। कई बार विवाद की स्थिति बन जाती है। यहां तक कि संडे बाजार वाले महिलाओं को आगे करके स्थाई दुकानदारों के लिए दुविधा खड़ी कर देते हैं।

चम्बल नदी में मिला युवक का शव

कोटा। नयापुरा इलाके की चम्बल नदी की छोटी पुलिया पर चम्बल नदी मे एक युवक का शव मिला। चम्बल नदी में शव तैरने की सूचना मिलने पर नगर निगम की गौताखोर टीम व पुलिस मौके पर पहुंची। नगर निगम गौताखोर ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि चंबल की छोटी पुलिया के पास भीड़ एकत्रित है तथा नदी में कुछ संदिग्ध दिखाई दे रहा है।

सूचना प्राप्त होते ही नगर निगम गोताखोर रेस्क्यू टीम तुरंत मौके पर पहुंची। टीम द्वारा मौके का निरीक्षण कर रेस्क्यू ऑपरेशन प्रारम्भ किया गया। रेस्क्यू के दौरान चंबल नदी से एक अज्ञात पुरुष का शव बरामद किया गया। प्रारम्भिक पहचान के अनुसार मृतक के पास से आधार कार्ड मिला, मृतक की शिनाख्त चन्द्रप्रकाश कोली के रूप में हुई। शव को बाहर निकालकर कार्यवाही हेतु थाना नयापुरा पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया हैं।

ठगों ने प्रधानमंत्री जन औषधि परियोजना में भी सेंध लगाई

आवदेन के नाम पर ठगे 2.59 लाख रुपए

■ पीड़ित ने पुलिस में दी शिकायत

अजमेर । साइबर ठग नए-नए पैंतरे इस्तेमाल कर ठगी की वारदात अंजाम दे रहे है, अब साइबर ठगों ने प्रधानमंत्री जन औषधि परियोजना में सेंधमारी करते हुए एक युवक से आवेदन के नाम पर 2 लाख 69 हजार 950 रुपए की ऑनलाइन ठगी कर ली। पीड़ित युवक ने क्रिश्चियन गंज थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू करते हुए आरोपियों के लिंक का पता लगाने में जुटी है।

क्रिश्चियन गंज गंज पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित युवक वैशाली नगर जनता कॉलोनी निवासी प्रदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि 24 नवंबर को उन्होंने गूगल पर प्रधानमंत्री जन औषधि योजना का लिंक के लिए आवेदन किया था। 29 नवंबर को एक कॉलर ने खुद को इस योजना का अधिकारी बताते हुए संपर्क किया। कॉलर ने अपना नाम दीपक सिंह बताया और कहा कि उनका आवेदन स्वीकृत हो गया है, आगे की प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी । पीड़ित ने बताया कि 1 दिसंबर को 5 हजार रुपए फॉर्म व रजिस्ट्रेशन फीस के नाम पर इंडियन ओवरसीज बैंक में जमा करवाए। इसी दिन पत्नी राजेश्वरी गुप्ता के नाम पर 44 हजार 950 रुपए का एग्रीमेंट चार्ज के जमा करवाया। इसके बाद 2 और 3 दिसंबर को दवा सप्लाई के नाम पर दो बार में 1 लाख 5 हजार रुपए दिल्ली की बंधन बैंक में निफ्टी के जरिए जमा करवाए। सभी ट्रांजेक्शन के दौरान आरोपी द्वारा सभी रसीदें और दस्तावेज की पीडीएफ भेजी ताकि भरोसा बना रहे। 4 दिसंबर को आरोपी ने फिर कॉल कर कहा कि योजना महिला के नाम पर स्वीकृत हुई है, इसलिए सरकार की ओर से 2 लाख 50 हजार रुपए की सब्सिडी मिलेगी, जिसके लिए 18 प्रतिशत जीएसटी 45 हजार रुपए देना होगा। इस पर पीड़ित को शक हुआ। इंटरनेट पर सत्यापन करने पर पता चला कि सब्सिडी पर जीएसटी नहीं लगता। पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत कर क्रिश्चियनगंज थाने में लिखित शिकायत दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चाकूबाजी में पिता-पुत्र और हमलावर घायल

भीलवाड़ा। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र की नया बापू नगर कॉलोनी में अलाव तापने के दौरान हुए विवाद के बाद चाकूबाजी में पिता-पुत्र और हमलावर घायल हो गया।

प्रतापनगर थाना पुलिस के अनुसार नया बापूनगर इलाके में रविवार रात एक युवक के अलाव तापते समय गाली-गलौज करने पर विवाद हुआ। बताया जा रहा है कि सौरभ झा बिना वजह गाली-गलौज कर रहा था। पड़ोसी महेशदास ने खिड़की से आवाज देकर उसे गली गलोच नहीं करने की बात कही तो झा और बिफर गया और गाली-गलौज करते हुए महेश दास को नीचे आने की धमकी दी, जब महेशदास नीचे आया तो दोनों के बीच बहस हो गई। सौरभ अपने घर से सब्जी काटने वाला चाकू लेकर आया और महेशदास के सीने, पेट व हाथ पर हमला कर दिया। घायल महेशदास नीचे गिर गया।

पैरोल का उद्देश्य अपराधी का पुनर्वास : हाईकोर्ट

■ बेटे की हत्या के दोषी पिता को मिली पैरोल

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस मुन्नुरी लक्ष्मण और न्यायाधीश बिपिन गुप्ता की खंडपीठ ने आजीवन कारावास के दोषी लक्ष्मणदास को बीस दिन की पहली पैरोल की अनुमति दी है। कोर्ट ने पैरोल अस्वीकार करने वाले जिला पैरोल सलाहकार समिति के 14 जुलाई के आदेश को रद्द किया है।

दरअसल प्रताप नगर संजय ए कॉलोनी निवासी लक्ष्मणदास पुत्र खेमचंद को ट्रायल कोर्ट ने अपने ही बेटे की हत्या का दोषी करार दिया था। वह वर्तमान में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। फिलहाल ओपन एयर कैंप बाड़मेर में है। उसने अपनी पहली बीस दिन की पैरोल के लिए यह याचिका दायर की थी। जिला पैरोल सलाहकार समिति, जोधपुर ने 14 जुलाई को याचिकाकर्ता की पैरोल याचिका को अस्वीकार कर दिया था। यह अस्वीकृति मुख्य रूप से पुलिस उपायुक्त, (पश्चिम) और परिवीक्षा एवं कारागार कल्याण अधिकारी की रिपोर्ट पर आधारित थी, जिन्होंने परिवार और पड़ोसियों की आपत्तियों के आधार पर पैरोल की सिफारिश नहीं की थी। कोट में याचिकाकर्ता के लिए उपस्थित एमीकस क्यूरी अंजलि कौशिक ने तर्क दिया कि पैरोल का उद्देश्य अपराधी का पुनर्वास और समाज में पुनर्समावेश है। चूंकि याचिकाकर्ता ने ओपन एयर कैंप में रहते हुए जेल में अच्छा आचरण प्रदर्शित किया है, इसलिए पैरोल से इनकार करना गलत है। राजस्थान हाईकोर्ट ने पैरोल प्रणाली पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि वर्तमान पैरोल व्यवस्था में ऐसे कैदियों के लिए कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है जो बेघर हैं, जिनका कोई अभिभावक नहीं है या परिवार का समर्थन नहीं है। कोर्ट ने कनाडा जैसे विकसित देशों का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां कम्युनिटी करेक्शन सेंटर और रेजिडेंशियल फैसिलिटीज हैं, जो बिना घर और परिवार वाले पैरोलियों को आवास और भोजन उपलब्ध कराती हैं। कोर्ट ने कहा कि यह समय है कि सरकार अपनी पैरोल नीति पर पुनर्विचार करें, ताकि ऐसे कैदियों की स्थितियों का ध्यान रखा जा सके जिनके पास रहने के लिए जगह या देखभाल करने वाला कोई नहीं है। कोर्ट ने कहा कि कोर्ट ने कहा कि पैरोल का उद्देश्य कैदी के अच्छे आचरण को प्रोत्साहित करना है, और यह पुनर्वास और समाज में पुनसमावेश का एक अवसर है।

भारत को विश्वगुरु बनाने की आधारशिला है नई शिक्षा नीति : देवनानी

उदयपुर, 8 दिसम्बर। नई शिक्षा नीति 2020 ऐसी जीवंत दृष्टि है जो राष्ट्र के विकास का प्राण है। यह सिर्फ काजगी दस्तावेज नहीं है बल्कि भारत को विश्व गुरू बनाने की आधारशिला है। इससे ऐसी नई पीढी तैयार होगी जो राष्ट्र प्रथम की अवधारणा से ओतप्रोत होगी। विधासभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को मोहनलाल सुखाडिया विवि शैक्षणैतर कर्मचारी संघ की ओकर से आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन एवं सेमिनार में नई शिक्षा नीति पर जन प्रतिनिधियों की सहभागिता विषय पर संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के तौर पर बोलते हुए यह विचार व्यक्त किए।

देवनानी ने कहा कि कस्तूरीरंगन के साथ मिलकर नई नीति को अंतिम रूप देने में उनका भी योगदान रहा है। उन्होने इसे लागू करने में शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी और जनप्रतिनिधियों के समन्वित प्रयास की आवश्यकता जताई। विशेषकर जनप्रतनिधियों की भूमिका के बारे में बोलते हुए देवनानी ने कहा कि जनप्रतिनिधि स्थानीय स्तर की आवश्यकता के अनुरूप सुझाव देते हैं जिससे नीति निर्धारण की प्रामाणिकता बढती है। नई नीति में रटने और अंक प्राप्त करने के मैकाले के प्रभाव को समाप्त कर आवश्यक सुधार किया गया है। आज बालक की आवश्यकता के अनुरूप तत्व शामिल करते हुए मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने पर जोर दिया गया है। देवनानी ने कहा कि नई नीति में विश्वविद्यालयों के आधारभूत ढांचे के विकास पर भी जोर दिया गया है। देवनानी ने अपने उद्बोधन के दौरान कर्मचारी संघ को इस तीन दिवसीय आयोजन के दौरान तीन संकल्प लेकर लौटने का अनुरोध किया। राजस्थान के सभी विश्वविद्यालय 2026 तक नई शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों को मूर्त रूप देंगे। शैक्षणेत्तर कर्मचारियों को शिक्षा प्रणाली के केंद्र में रखेंगे तथा जनप्रतिनिधियों व विश्वविद्यालय के बीच आदर्श संबंध स्थापित करेंगे। शैक्षणैतर कर्मचारी संघ अध्यक्ष प्रवीण सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलगीत के साथ किया कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में राज्यपाल सलाहकार प्रोफेसर कैलाश सोडाणी ने नई शिक्षा नीति को विद्यार्थियों के हित में बताते हुए इसके क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों को यह पूर्णतया छूट दी गई है कि वह किस-किस विषय पर अध्ययन करें और अपनी डिग्री कितने समय में सफलतापूर्वक पूरी करें। अध्यक्षता करते हुए विवि के कुलगुरु प्रोफेसर बीपी सारस्वत ने नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक रिक्त पदों को भरे जाने तथा इंफ्रास्ट्रक्चर हेतु राज्य सरकार स्तर पर फंड उपलब्ध कराए जाने के बारे में राज्य सरकार से निवेदन किया। कुलगुरु ने विश्वविद्यालय कर्मचारी को समय की सदुपयोगिता एवं कार्य के प्रति समर्पण रखने का आव्हान किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ के हरियाणा प्रांतीय अध्यक्ष चरण दास अटवाल ने भी विचार व्यक्त किए। अखिल भारतीय विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष एवं कर्मचारी संघ मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय के संरक्षक भरत व्यास ने विश्वविद्यालय में घटते हुए कर्मचारियों की संख्या के बारे में चिंता जताते हुए कहा की नई शिक्षा नीति को लागू करने के लिए कर्मचारियों की संख्या का पर्याप्त होना एवं उनमें विश्वास होना परम आवश्यक है।

गीतांजली हॉस्पिटल की डॉ. परिस्तिश कामदार, राष्ट्रीय संवेदना पुरस्कार से सम्मानित

■ 'पुरस्कार पूरे उदयपुर और राजस्थान के मनोचिकित्सा जगत के लिए गौरव की बात है'

उदयपुर। मनोचिकित्सकों के सबसे बडे संगङ्गन इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट साइकियाट्री (आईपीपीआई) के 26वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, उदयपुर के मनोचिकित्सा विभाग कि डॉ. परिस्तिश कामदार को प्रतिष्ठित 'संवेदना महिला पुरस्कार से सम्मानित किया ।

यह शोध पत्र किशोरों के लिए स्कूलों के कोर्स में भावनात्मक-व्यवहारिक समस्याएँ, दुर्व्यवहार, तनाव और आत्मसम्मान के मानसिक-जनसांख्यिकीय निर्धारक एक क्रास-सेक्शनल अध्ययन के लिए प्रस्तुत किया गया। यह शोध पत्र वरिष्ठ मनोचिकित्सक एवं मार्गदर्शक डॉ. जितेन्द्र जींगर, डॉ. मनु शर्मा, डॉ. अंजलि शर्मा, डॉ. परिस्तिश कामदार, डॉ. छायाँक आचार्य तथा डॉ. आदित्य बोराते की संयुक्त टीम द्वारा तैयार किया गया था। शोध में पाया गया कि किशोरों में शारीरिक मानसिक दुर्व्यवहार, तनाव और कम आत्मसम्मान का स्तर उनके सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि, परिवार के प्रकार, माता-पिता की शिक्षा और आय जैसे कारकों से गहराई से जुडा हुआ है। यह अध्ययन किशोर मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में नीति-निर्माण और स्कूलों के पाठ्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान करता है।

गीतांजली हॉस्पिटल के डीन डॉ संगीता गुप्ता ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह पुरस्कार न केवल डॉ. परिस्तिशा कामदार की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि पूरे उदयपुर और राजस्थान के मनोचिकित्सा जगत के लिए गौरव की बात है।

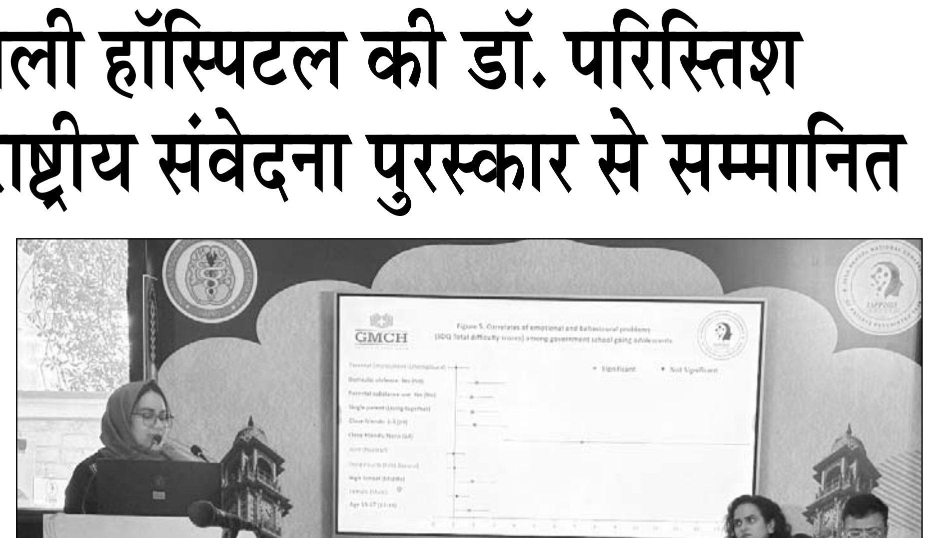

इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट साइकियाट्री (आईपीपीआई) का वार्षिक अधिवेशन उदयपुर में सम्पन्न हुआ।

मामा की हत्या

रामगंजमंडी, (निसं)। स्थानीय पुलिस की सूझबूझ व सजगता से शुक्रवार को सगे भाणेज द्वारा दोस्तों के साथ मिलकर मामा की हत्या करने तथा हत्या के बाद अंतिम संस्कार की भी तैयारी करने का चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।

पुलिस ने सोमवार को हत्या का खुलासा करने के साथ मृतक नवनीत सोनी की हत्या के मामले में फरार सगे भाणेज गौरव सोनी व उसके तीन दोस्तों को गिरफ्तार करने में भी सफलता प्राप्त की है। पुलिस अधीक्षक कोटा ग्रामीण अवनीश शर्मा ने बताया कि 5 दिसम्बर को पुलिस थाना रामगजमंडी पर दर्ज हत्या के प्रकरण में वांछित अभियुक्तगण मृतक नवनीत सोनी के सगे भाणेज गौरव सोनी व उसके दोस्त प्रदीप सिंह, विक्रम सिंह उर्फ विक्की व रक्षित अग्रवाल उर्फ गोटया को गिरफ्तार कर हत्या की वारदात का पर्दाफाश करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी रामगजमंडी में सगे भाणेज गौरव सोनी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर अपने मामा नवनीत सोनी की हत्या करके मृतक नवनीत सोनी की लाश का अंतिम संस्कार कर सबूत मिटाने की फिराक में है। सूचना पर थानाधिकारी मनोज सिकरवार ने मौके पर पहुचंकर देखा तो मृतक नवनीत सोनी की लाश का अंतिम संस्कार करने हेतु मोक्ष धाम में लेकर जाने की तैयार चल रही थी।